>

Title : Need to provide sanitation and toilet facilities to the masses in Bihar and in other parts of the country.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): महोदया, 2 अक्टूबर पूज्य बापू का जन्मदिन है। 2 अक्टूबर एक व्यक्ति का जन्मदिन नहीं है, बल्कि एक नये राष्ट्र का जन्मदिन है। राष्ट्रीय आजादी को हमारे बापू ने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आधार प्रदान किया। वे दलितों की बस्ती में गये, ... * सफाई का काम करने लगे।

सभापति महोदया : यह शब्द अनपार्लियामेंट्री है। यह शब्द रिकार्ड में नहीं जाएगा।

डॉ. भोला सिंह : यह अनपार्लियामेंट्री नहीं है। यह संसदीय शब्द है और मैं श्रद्धा के साथ कह रहा हूं, यह शब्द अनपार्लियामेंट्री नहीं है। मैं कह रहा हूं कि उन्होंने 'हरिजन पत्रिका' के माध्यम से सांस्कृतिक चेतना के द्वीप जलाए। लेकिन साठ वर्षों के बाद आज भी 25 करोड़ लोग खुले में शौच करते हैं, शुष्क पखाने का व्यवहार करते हैं और वह सिर पर मैला ढोने की कलंकित परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। खुले में शौच करने के कारण उनके साथ बलात्कार होता है। वे सामाजिक अनाचार के शिकार बनते हैं। भारत सरकार के शहरी गरीबी उन्मूलन उपशमन विभाग के अनुसार बिहार में दो लाख परिवार शुष्क पखाने का प्रयोग करते हैं। वहां जलयुक्त पखाना बनाने के लिए भारत सरकार ने दो सौ करोड़ रूपए देने का वचन और आश्वासन दिया। उसने 2 अक्टूबर, 2009 ईसवी तक सिर पर मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने का कदम उठाया।

मैडम, हम आपके माध्यम से भारत सरकार से यही आग्रह करना चाहते हैं कि 2 अक्टूबर सामने है और उस दिन बिहार और संपूर्ण देश में भी सिर पर मैला ढोने की प्रथा को समाप्त कर हम बापू के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित करें।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं,

* Not recorded.